Anand
DATE :
PAGE NO. :

ऑडियो, विडियो रिकॉर्डिंग एवं कलाकार विवरण पत्र

फोल्डर नः- 10
ट्रैक समयावधिः- Z00M0018
कलाकार का नामः- सफी खाँ S/0 फकीर खाँ

पताः- गाँव बड़नावा चारणान् तेह पचपदरा, जिला बाड़मेर
सहायक कलाकारः- हबीब खाँ

विडियो रिकॉर्डिंग समयः-
विषय :- कथा (राजाहंस)
विशेष विवरण :-

दिनांकः- 18/04/2024
स्थानः- [illegible]

गायन/वादन NO

Anand
DATE :
PAGE NO. :

यह कथा राजहंस की है कथा मे सेठ राजहंस पर एहसान करता है और उसकी जान बचाता है बाद में राजहंस भी उनकी जान बचाकर अपने एहसान का बदला चुका देते हैं।

कथा की शुरुआत मे राजकुमार एक सपना देख रहा होता है कि वह राजा इन्द्र की राजकुमारी से विवाह कर रहा है तभी सेठ उन्हे आवाहन लगाता है जिससे उनकी नींद टूट जाती है और वह गुस्से से लाल हो जाता है और कहता है कि अगर या मुझे उसी राजकुमारी से शादी करवाओगे नहीं तो मैं तुम्हे मार डालूगा। सेठ उदास हो जाता है तथा घर चला जाता है और जंगल में निकल जाता है तो वाह वो देखता कि एक बड़ा सा पक्षी बैठा है तभी वाह एक शिकारी आ जाता है तथ निसाना साधने लगता है तो सेठ को पक्षी पर दया आ जाती है है और पत्थर मार कर उड़ा देता है तो वह शिकारी सेठ को मारने लगता है तो सेठ उसे धन देता है और शिकारी चला जाता है। राजा हंस की जान बचाने के कारण राजा हंस सेठ के घर जाता है तो सेठ उन्हे मोतियों से आचरण करवाता है। राजहंस सेठ को उदास देखकर उदास होने का कारण पूछता है तो वह राजकुमार और उनके सपने के बारे में बताता है तो राजहंस राजकुमार को सेठ के घर बुलवाता है और वह तीनो राजा इन्द्र के शहर में जाते है फूलोंमालणा के घर ठहरते हैं। तो एक दिन राजकुमार उसी राज के महल में जाता है तो अपना रुमाल राजकुमारी के बिस्तर पर डालकर आ जाता है और पूरे राजदरबार में पता चल जाता है और राजकुमारी के महल की खिड़की के पास रंग का कुण्ड बना देते है तो राजकुमार जैसे ही जाता है और कुण्ड में गिर जाता है वादिस फूलो मालणा के घर चला जाता है। और राजदरबार के आदमी पकड़कर ले जाते है और राजा उन्हें फांसी का हुक्म सुना देते है जैसे ही उनको फंसी [redacted] पर चढ़ाने से पूर्व आखरी ख्वाहिस पूछी जाने पर वह अस पेड़ पर

चढ़कर अपने गाँव की दिशा देखने को कहता है तो वह पेड़ पर चढ़ता है और राजा हंस लेकर उड़ जाता है। राजकुमारी को भी उस राजकुमार से प्रम हो जाता है तो वह उनके साथ जाने के लिए तैयार हो जाती है तो फिर से राजाहंस राजकुमार को लेकर राजकुमारी के महल में जाता है और तीनों राजकुमारी को लेकर वापिस रवाना हो जाते हैं और एक पहाड़ की टेकरी पर रुकते हैं। राजकुमारी अपनी सन्दूक चाबी भूल जाती है तो हंसराजा और राजकुमारी वापिस जाते हैं और रोशनी के लिए तीली जगाते हैं तो हंसराजा के सारे पर जल जाते हैं तथा राजकुमार और सेठ भी वापिस आ जाते हैं। तथा चकवा और चकवी वाह आते हैं एक लकड़ को घिस कर राजा हंस के परों पर लगाने को कहते हैं और राजकुमारी वही करती है जिससे उसके पर वापिस आ जाते हैं और वह चारो वापिस अपने शहर चले जाते हैं। और राजा हंस अपना एहसान चुका देता है और मानसरोवर चला जाता है।